SN
AG

Model: web-freematching

Order No: 108422102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/05/1997	जन्म तिथि	5-06/01/2001
शुक्रवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 21:38:00	जन्म समय	01:52:00 घंटे
घटी 40:50:00	जन्म समय(घटी)	46:35:19 घटी
India	देश	India
Tehri	स्थान	Faridabad
30:22:57 उत्तर	अक्षांश	28:24:32 उत्तर
78:28:25 पूर्व	रेखांश	77:19:04 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:06	स्थानिक संस्कार	-00:20:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:18:00	सूर्योदय	07:14:08
19:07:25	सूर्यास्त	17:38:22
23:49:12	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:00

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 6वर्ष 6मा 8दि		12:46:09	धनु	लग्न	तुला	09:40:26	सूर्य 5वर्ष 9मा 8दि	
शुक्र		08:44:12	वृष	सूर्य	धनु	21:42:30	राहु	
01/12/2010		24:53:00	वृश्चि	चंद्र	मेष	27:10:23	15/10/2023	
01/12/2030		26:37:48	सिंह	मंगल	तुला	13:53:47	15/10/2041	
शुक्र	01/04/2014	13:36:22	मेष	बुध	धनु	28:19:52	राहु	27/06/2026
सूर्य	02/04/2015	27:38:37	मक	गुरु व	वृष	07:58:10	गुरु	20/11/2028
चन्द्र	30/11/2016	22:05:09	वृष	शुक्र	कुंभ	08:24:27	शनि	27/09/2031
मंगल	31/01/2018	22:42:29	मीन	शनि व	वृष	00:32:04	बुध	15/04/2034
राहु	30/01/2021	02:35:20	कन्या व	राहु व	मिथु	21:39:25	केतु	04/05/2035
गुरु	01/10/2023	02:35:20	मीन व	केतु व	धनु	21:39:25	शुक्र	03/05/2038
शनि	01/12/2026	14:48:31	मक व	हर्ष	मक	25:01:26	सूर्य	28/03/2039
बुध	01/10/2029	06:00:46	मक व	नेप	मक	11:38:00	चन्द्र	26/09/2040
केतु	01/12/2030	10:27:32	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	20:04:13	मंगल	15/10/2041

लग्न-चलित

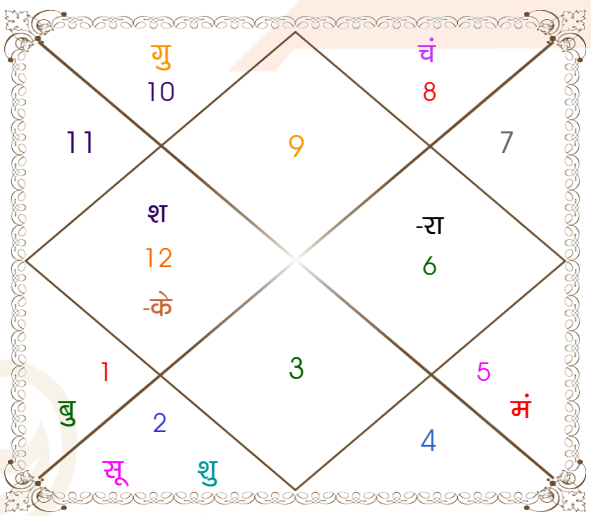

लग्न-चलित

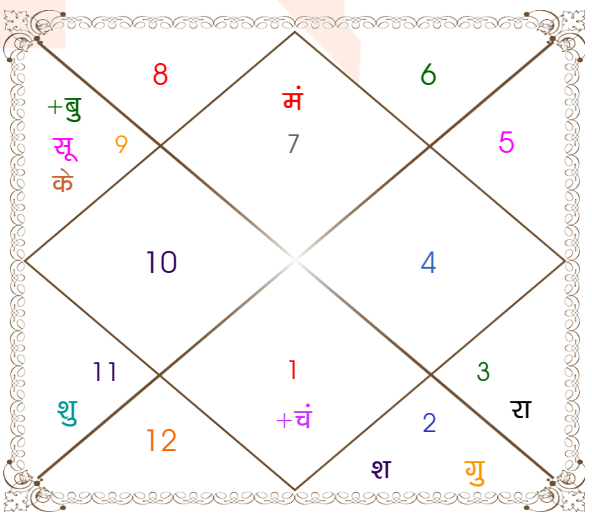

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

SN का वर्ग मृग है तथा AG का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार SN और AG का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

SN मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

AG मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

SN तथा AG में मंगलीक मिलान ठीक नही है।

निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं हैं।